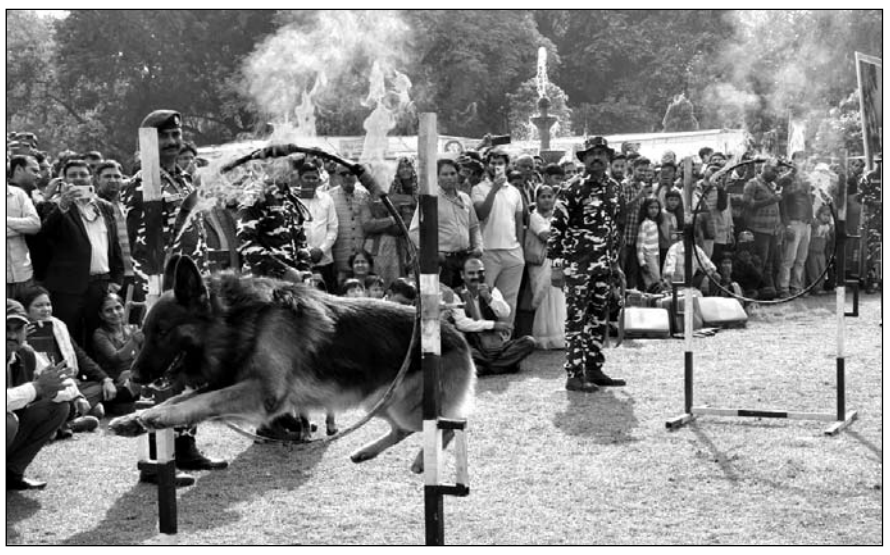
''मत्स्य उत्सव'' का रंगारंग समापन, पेट शो में दिखे श्वानों के हैरतअंगेज करतब

ऐतिहासिक भानगढ़ में लोक कलाकारों की सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने पर्यटकों और आमजन को राजस्थान की लोक संस्कृति से रूबरू कराया

अलवर, (निसं)। चार दिवसीय मत्स्य उत्सव-2026 का शनिवार को रंगारंग समापन हुआ। समापन दिवस पर पुरजन विहार (कंपनी गार्डन) में अलवर पेट शो, फ्लावर शो और फोटो प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। वहीं ऐतिहासिक भानगढ़ में लोक कलाकारों की सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने पर्यटकों और आमजन को राजस्थान की लोक संस्कृति से रूबरू कराया।

जानकारी के अनुसार कंपनी गार्डन में आयोजित अलवर पेट शो में 150 से अधिक नस्लों के पालतू पशुओं ने अपनी विशेषताओं और कौशल से लोगों का ध्यान आकर्षित किया। एसएसबी के प्रशिक्षित श्वानों ने ट्रैकिंग, सर्च ऑपरेशन तथा विस्फोटक और मादक पदार्थों की पहचान का प्रदर्शन किया। जवानों के साथ उनके बेहतर तालमेल और अनुशासन को देखकर दर्शकों ने तालियां बजाईं। पेट्स रिंग शो में जर्मन शेफर्ड, साइबेरियन हस्की, पोमेरेनियन, पूडल, पर्शियन कैट सहित विभिन्न प्रजातियों के पालतू पशुओं ने रोचक करतब दिखाए।

जिला कलैक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला ने कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए कहा कि पेट शो का उद्देश्य पशुओं के प्रति संवेदनशीलता और प्रेम बढ़ाना तथा बेसहारा स्ट्रीट डॉग्स को गोद लेने के लिए लोगों को प्रेरित करना है। उन्होंने कहा कि पालतू पशु बिना बोले भी अपनी भावनाएं व्यक्त करते हैं। अलवर में बेजुबान पशुओं को सुरक्षित आश्रय उपलब्ध कराने के लिए डॉग शेल्टर बनाने की दिशा में काम किया जाएगा। इसके लिए नगर निगम की टीम गठित करने पर भी विचार किया जाएगा। उन्होंने उत्सव के कार्यक्रमों में आमजन की भागीदारी के लिए आभार जताया।



महोत्सव के समापन पर एसएसबी के प्रशिक्षित श्वानों ने प्रदर्शन किया।

- पुरजन विहार (कंपनी गार्डन) में अलवर पेट शो, फ्लावर शो और फोटो प्रदर्शनी का भी आयोजन किया गया

कार्यक्रम में पशु चिकित्सकों ने नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच और एंटी रेबीज टीकाकरण किया। विभिन्न श्रेणियों में श्रेष्ठ डॉग्स, कैट्स, रैबिट्स और स्ट्रीट एनिमल्स का चयन कर विजेताओं को ट्रॉफी और पुरस्कार दिए गए। प्रत्येक प्रतिभागी को प्रमाण पत्र भी प्रदान किया गया। राजर्षि कॉलेज में आयोजित मेहंदी, पेंटिंग और रंगोली प्रतियोगिताओं के विजेता बच्चों को भी सम्मानित किया गया।

फ्लावर शो में सागर नर्सरी प्रथम : -फ्लावर शो में गुलदाउदी, गुड़हल, पीस लिली, एग्जोरा और मोरपंखी सहित विभिन्न प्रजातियों के फूलों और पौधों की प्रदर्शनी लगाई गई। इसमें सागर नर्सरी ने प्रथम, गार्डनिया नर्सरी और सैनी कट फ्लावर ने संयुक्त रूप से द्वितीय तथा राजस्थान नर्सरी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। फोटो प्रदर्शनी में अलवर के ऐतिहासिक, धार्मिक और सांस्कृतिक स्थलों की तस्वीरें प्रदर्शित की गईं।

भानगढ़ में लोक संस्कृति की छटा :-मत्स्य उत्सव के तहत भानगढ़ में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रमों में पद्मश्री गफरूद्दीन मेवाती ने भपंग वादन प्रस्तुत किया। शिवनारायण ने चकरी नृत्य, मनभर ने कालबेलिया, गोपाल ने सहरिया, तगाराम और पारसमल माली ने गैर नृत्य तथा वर्षा ने भवई नृत्य की प्रस्तुति दी। गोला का बास राजकीय बालिका विद्यालय की छात्राओं ने भी चकरी नृत्य से दर्शकों का मन मोह लिया।

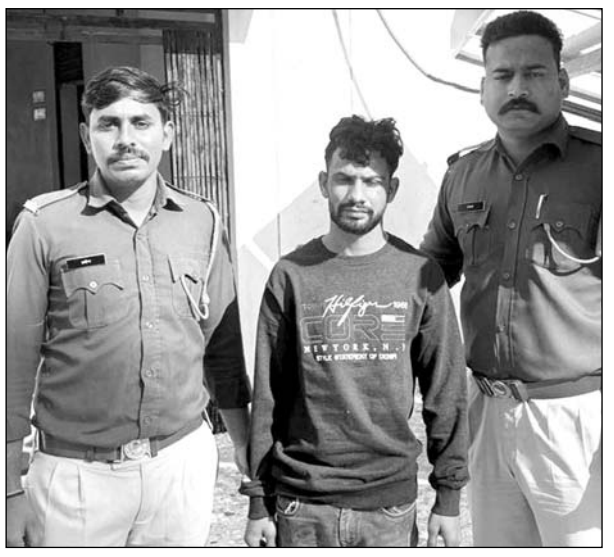
इस अवसर पर कार्यक्रम में आईएएस अदिति वार्ष्णेय, पशुपालन विभाग के संयुक्त निदेशक रमेश चंद मीणा, उद्यान विभाग के उपनिदेशक केएल मीणा, बीडीओ राजगढ़ विक्रम सिंह गुर्जर, जिला शिक्षा अधिकारी मनोज शर्मा, पर्यटन विभाग के सहायक निदेशक संजय कुमार सहित अन्य अधिकारी, एसएसबी के जवान और बड़ी संख्या में आमजन मौजूद रहे।

डूंगरपुर में एस्कॉर्ट सर्विस के नाम पर ठगी करने का गिरफ्तार

ठगी की रकम जमा कराने के लिए अपने दोस्त के बैंक खाते और क्यू आर कोड का इस्तेमाल करता था

डूंगरपुर, (निसं)। साइबर थाना पुलिस ने फर्जी एस्कॉर्ट सर्विस के नाम पर साइबर ठगी करने के आरोप में विजेश पाटीदार को गिरफ्तार किया है। आरोपी लड़कियां उपलब्ध कराने का झांसा देकर लोगों से अलग-अलग बहानों से पैसे वसूलता था। ठगी की रकम जमा कराने के लिए वह अपने दोस्त के बैंक खाते और क्यू आर कोड का इस्तेमाल करता था। पुलिस ने राजस्थान पुलिस के ऑपरेशन म्यूल हंट के तहत कार्रवाई करते हुए आरोपी को पकडा है।

डूंगरपुर साइबर थाने के सीआई मुकेश कुमार ने बताया कि अभियान के तहत संदिग्ध बैंक खातों और म्यूल अकाउंट्स की जांच की जा रही है। साइबर ठगी के एक मामले की जांच के दौरान पुलिस ने बैंक स्टेटमेंट और केवाईसी दस्तावेजों का विश्लेषण किया। इस दौरान गणेशपुर निवासी अरविंद पाटीदार का बैंक खाता संदिग्ध पाया गया। जांच में सामने आया कि खेरमाल, थाना दोवडा निवासी विजेश पाटीदार ने अपने दोस्त से उधारी के पैसे जमा कराने और पुराना कर्ज चुकाने का बहाना बनाकर उसका क्यूआर कोड ले लिया था। इसके बाद वह साइबर ठगी से हासिल रकम दोस्त के बैंक खाते में जमा करवाता था। पुलिस के अनुसार, इस बैंक खाते का इस्तेमाल म्यूल अकाउंट के रूप में किया जा रहा था, ताकि ठगी की रकम का लेन-देन दूसरे व्यक्ति के खाते से किया जा सके। साइबर थाना पुलिस की टीम ने विजेश पाटीदार को पकड़ा। पूछताछ के बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस के मुताबिक, आरोपी ने पूछताछ में फर्जी एस्कॉर्ट सर्विस के नाम पर लड़कियां उपलब्ध कराने का झांसा देकर लोगों से साइबर ठगी करना स्वीकार किया है। फिलहाल पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है और मामले से जुड़े अन्य पहलुओं की जांच में जुटी है।



पुलिस ने साइबर ठगी करने के आरोपी को गिरफ्तार किया।

डंपर-बाइक की भिड़ंत में दो जने गंभीर घायल, झुंझुनूं रैफर

खेतड़ी, (निसं)। खेतड़ी थाना क्षेत्र के कोलिहान नगर में शनिवार को डंपर और बाइक के बीच हुई जोरदार भिड़ंत में बाइक सवार दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बाइक पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। दोनों घायलों को गंभीर हालत में खेतड़ी के राजकीय उप जिला अस्पताल लाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें झुंझुनूं जिला अस्पताल रैफर करना पड़ा।

- टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बाइक पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई

जानकारी के अनुसार खेतड़ी के वार्ड नंबर 5 निवासी हरीश (22) पुत्र महिपाल अपने मामा के लड़के पवन (26) पुत्र महेंद्र कुमार निवासी नारनौल के साथ बाइक पर सवार होकर निजामपुर मोड़ की ओर जा रहा था। इसी दौरान कोलिहान नगर के पास उनकी बाइक की डंपर से भिड़ंत हो गई। टक्कर के बाद दोनों युवक सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे की आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और घायलों की मदद में जुट गए। ग्रामीणों ने तत्काल 108 एंबुलेंस को सूचना दी। हादसे की जानकारी मिलने पर खेतड़ी से दो एंबुलेंस मौके पर पहुंचीं और दोनों घायलों को राजकीय उप जिला अस्पताल पहुंचाया गया।

अस्पताल के पीएमओ डॉ. अक्षय कुमार शर्मा ने बताया कि हरीश और पवन को गंभीर हालत में अस्पताल लाया गया था। प्राथमिक उपचार के बाद दोनों को बेहतर इलाज के लिए झुंझुनूं जिला अस्पताल रैफर कर दिया गया।

हादसे की सूचना पर खेतड़ी थाने के एएसआई महिपाल सिंह पुलिस जाब्ते के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। उन्होंने मौका मुआयना कर दुर्घटना के संबंध में आवश्यक जानकारी जुटाई। हादसे में बाइक पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त बाइक और डंपर को जब्त कर लिया है। दुर्घटना के वास्तविक कारणों का खुलासा पुलिस जांच के बाद ही हो सकेगा।



एंबुलेंस से दोनों घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया।

बिना ओटीपी नंबर दिए खाते से 3.84 लाख रुपये पार

जोधपुर, (कासं)। शहर के महामंदिर स्थित पावटा प्रथम पोलो में रहने वाले एक सुनार से साइबर फ्रॉड हो गया। शातिर ने बिना ओटीपी नंबर के खाते से अलग-अलग ट्रांजेक्शन कर 3 लाख 84 हजार रूपए निकाल लिए। पीड़ित की तरफ से पहले साइबर पोर्टल पर शिकायत दी गई। अब महामंदिर पुलिस ने धोखाधड़ी में मामला दर्ज किया है।

महामंदिर पुलिस ने बताया कि पावटा प्रथम पोलो निवासी अशोक पुत्र गोविंद सोनी ने रिपोर्ट दी। इसके अनुसार 23 नवंबर को उसके मोबाइल पर मिले संदेश से पता लगा कि उसके साथ साइबर फ्रॉड हुआ है। किसी शातिर से उसके बैंक एकाउंट से 3 लाख 84 हजार 185 रूपए निकाल लिए। उसके द्वारा कोई ओटीपी नंबर भी साझा नहीं किए गए थे। उसने साइबर पोर्टल पर भी शिकायत दी थी।

जोधपुर में सूने मकान से 22 लाख के आभूषण चोरी

परिवार के लोग दिन में शादी समारोह में गए हुये थे, वापिस रात को लौटे तो घटना का पता लगा

जोधपुर, (कासं)। शहर के निकटवर्ती बासनी लाछा रोड करवड़ में एक सूने मकान में चोरी हो गई। चोर घर के ताले तोड़कर प्रवेश कर वहां से 14 तोला सोना और 45 तोला चांदी के आभूषण ले गए। परिवार के लोग दिन में शादी समारोह में गए थे,वापिस रात को लौटे तब घटना का पता लगा। इस बारे में घर मालिक ने करवड़ थाने में चोरी की रिपोर्ट दी।

थानाधिकारी परमेश्वरी ने बताया कि बासनी लाछा रोड पर रहने वाले दलवीरसिंह पुत्र जगदीश सिंह की तरफ से मामला दर्ज कराया गया है। इसमें बताया कि वह 25 नवंबर को दिन में शादी समारोह में गए थे। रात को वापिस लौटने पर पता लगा कि घर के ताले टूटे पड़े हैं। चोरों ने अंदर अलमारी और बक्सों के ताले तोड़कर करीब 14 तोला सोना और 45 तोला चांदी के आभूषण चोरी कर ले गए। थानाधिकारी परमेश्वरी के अनुसार सीसीटीवी फुटेज देखे गए हैं, चोरी दिन में होना प्रतीत हुआ है और दो संदिग्ध वहां दिखे हैं। इनकी पहचान के प्रयास किए जा रहे हैं। जल्द ही चोरों को पकड़ा जाएगा। चोरी गए आभूषण तकरीबन 20-22 लाख के है। अग्रिम जांच की जा रही है।

हादसे में घायल हुये युवक की मौत

जोधपुर, (कासं)। शहर के डांगियावास स्थित दांतीवाड़ा गांव की सरहद में अज्ञात वाहन चालक की टक्कर से युवक घायल हो गया। उसे अस्पताल में उपचार के लिए भर्ती कराया गया, मगर उसे बचाया नहीं जा सका। उपचार के बीच उसकी मौत हो गई। मृतक के भाई की तरफ से पुलिस में रिपोर्ट दी गई। पुलिस मामले कक्की जांच कर रही है।

डांगियावास पुलिस ने बताया कि पीपाड़ शहर के बांकोलिया निवासी अशोक पुत्र भागीरथ माली की तरफ से रिपोर्ट दी गई। इसमें बताया कि उसका भाई बाइक लेकर दांतीवाड़ा गांव की सरहद से निकल रहा था। तब किसी वाहन चालक ने चपेट में ले लिया। हादसे में उसका भाई बुरी तरह घायल हो गया, जिसकी अस्पताल में उपचार के बीच मौत हो गई। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करवा परिजन को सौंपा। अज्ञात वाहन चालक की पहचान के प्रयास जारी है।

कमलसिंह दरोगा हत्याकांड : परिजनों और रावणा राजपूत समाज में आक्रोश भड़का

भीलवाड़ा, (निसं)। मालोला गांव में हुए सनसनीखेज कमलसिंह दरोगा हत्याकांड ने पूरे इलाके को झकझोर कर रख दिया है। बेरहमी से की गई हत्या और उसके बाद शव की खौफनाक हालत ने परिजनों और रावणा राजपूत समाज में आक्रोश भड़का दिया। न्याय और हत्यारों की फौरन गिरफ्तारी की मांग को लेकर परिजन एवं समाजजन जिला अस्पताल की मोर्चरी के बाहर करीब 24 घंटे तक डटे रहे। परिजन इस जिद पर अड़े रहे कि जब तक कातिल पकड़े नहीं जाते, तब तक न पोस्टमार्टम होगा और न ही शव उठाया जाएगा। आखिरकार शनिवार सुबह तहसीलदार और थाना प्रभारी की समझाइश तथा नियमानुसार सख्त कार्रवाई के भरोसे के बाद गतिरोध टूटा और मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंपा गया।

- न्याय और हत्यारों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर परिजन एवं समाजजन जिला अस्पताल की मोर्चरी के बाहर डटे रहे, समझाइश पर मामला शांत हुआ

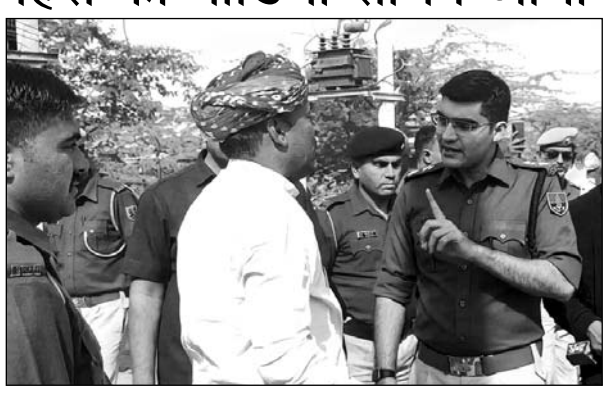
जानकारी के अनुसार मालोला निवासी कमलसिंह दरोगा (37) खेती-किसानी कर अपने परिवार का पेट पालते थे। 24 नवंबर को वे हर दिन की तरह घर से निकले, लेकिन फिर लौटकर नहीं आए। परिजनों के मुताबिक वे सुबह करीब 11 से साढ़े 11 बजे के बीच घर से रवाना हुए थे और दोपहर करीब एक बजे उनका मोबाइल फोन बंद हो गया। दिनभर और रातभर खोजबीन के बाद भी जब कोई सुराग नहीं मिला तो परिजनों ने गांधीनगर थाने में गुमशुदगी दर्ज करवाई। इसी बीच परिजनों का आरोप है कि गुरुवार को कमलसिंह की बाइक उनके खेत पर लाकर छोड़ दी गई थी। सस्पेंस और चिंता के बीच शुक्रवार सुबह मालोला गांव के जंगल और खेत की मेड़ के पास कमलसिंह का शव क्षत-विक्षत हालत में पड़ा मिला। सूचना मिलते ही गांधीनगर थाना प्रभारी पुष्पा कासोटिया, एएसआई सुनील शर्मा और नारायणलाल शर्मा पुलिस जाब्ते के साथ मौके पर पहुंचे। शुरुआती जांच में धारदार हथियार या कुल्हाड़ी से वार कर निर्मम हत्या किए जाने की आशंका जताई गई। लंबे समय तक खेत में पड़े रहने के चलते जंगली जानवरों ने उनका चेहरा और एक हाथ भी नोच डाला था। इस वीभत्स दृश्य को देख ग्रामीणों और परिजनों का गुस्सा फूट पड़ा।

वारदात की खबर फैलते ही परिजन और रावणा राजपूत समाज के लोग बड़ी संख्या में जिला अस्पताल पहुंचे और मोर्चरी के बाहर धरने पर बैठ गए। समाजजनों ने आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी की मांग की और चेतावनी दी कि कातिलों की गिरफ्तारी तक पोस्टमार्टम नहीं होने दिया जाएगा। सर्द रात में भी मोर्चरी के बाहर लोगों का जमावड़ा लगा रहा। करीब 24 घंटे तक चले इस तनावपूर्ण घटनाक्रम के बीच शनिवार सुबह तहसीलदार दिनेश कुमार और गांधीनगर थाना प्रभारी पुष्पा कासोटिया ने धरने पर बैठे परिजनों और समाजजनों से समझाइश की। अधिकारियों द्वारा नियमानुसार कड़ी और त्वरित कार्रवाई का आश्वासन दिए जाने के बाद परिजन पोस्टमार्टम के लिए तैयार हुए। इसके बाद मेडिकल बोर्ड का गठन कर पोस्टमार्टम कराया गया और शव परिजनों को सुपुर्द कर दिया गया।

एसपी सागर राणा और विधायक गोपीचंद मीणा के बीच बहस का वीडियो सामने आया

भीलवाड़ा, (निसं)। सड़क पर पुलिस बल की मौजूदगी के बीच एसपी सागर राणा और जहाजपुर विधायक गोपीचंद मीणा के बीच तीखी बहस और हंगामे का मामला सामने आया है। वीडियो में दोनों पक्षों के बीच एस्कॉर्ट व्यवस्था, कथित बाहरी-अपराधी तत्वों, तीन एफआईआर पर कार्रवाई और भाषा के लहज़े को लेकर कहासुनी होती दिखाई दे रही है।

घटनाक्रम के अनुसार वीडियो की शुरुआत में सड़क किनारे पुलिस जाब्ते और एक सफेद एसयूवी के आसपास गहमागहमी दिखती है। इस दौरान गाड़ी को एस्कॉर्ट दिए जाने को लेकर सवाल उठाए जाते हैं और एसपी भीड़ को हटाने व स्थिति संभालने का प्रयास करते नजर आते हैं। बहस के बीच मौके पर मौजूद लोगों और ''कांग्रेस जिलाध्यक्ष'' का ज़िक्र करते हुए आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरू हो जाता है। वीडियो में विधायक द्वारा बाहर के तथाकथित अपराधी तत्वों को प्रोटेक्शन मिलने और तीन एफआईआर दर्ज होने के बावजूद कार्रवाई न होने का मुद्दा उठाया जाता है, साथ ही पीड़ित माता-पिता से बात कराने की मांग की जाती है। हंगामे के दौरान भाषा की मर्यादा और बोलने के लहज़े को लेकर दोनों पक्षों के बीच तीखी बहस होती है। वीडियो में ''गाली'', ''तमीज़'', ''माननीय'' और ''रिकॉर्डेड है'' जैसे शब्दों के बीच एक-दूसरे पर आरोप लगाए जाते हैं। वहीं, पुलिस अधिकारी मौके पर ''भीड़-भाड़ इकट्ठी न करने'' की बात कहते हुए स्थिति को नियंत्रित करने पर जोर देते दिखते हैं।



सड़क पर पुलिस बल की मौजूदगी के एसपी सागर राणा और जहाजपुर विधायक गोपीचंद मीणा के बीच तीखी बहस और हंगामा हुआ।

कोटा : अभ्यास के दौरान कांस्टेबल के हाथ में गोली लगी

कोटा, (निसं)। नान्ता थाना क्षेत्र के अभेड़ा फायरिंग रेंज में शनिवार को फायरिंग प्रैक्टिस के दौरान कांस्टेबल के हाथ मे गोली लगने का मामला सामने आया है। हादसे में कांस्टेबल मुकेश घायल हो गया जिसे उपचार के लिये अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

जानकारी के अनुसार पुलिस जवान अभेड़ा फायरिंग रेंज में फायरिंग की प्रैक्टिस के लिये पहुंचे थे, जहां कांस्टेबल मुकेश कुमार पिस्टल की सफाई कर रहा था कि अचानक से पिस्टल से गोली चल गई और कांस्टेबल के हाथ में लग गई, गोली चलने की आवाज के साथ ही वहां मौजूद पुलिसकर्मियों व अधिकारियों ने हादसे में घायल कांस्टेबल को संभाला और तुरंत प्रभाव से उपचार के लिये अस्पताल पहुंचाया। गनीमत रही कि गोली हाथ में लगी जिससे कांस्टेबल बाल-बाल बचा। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस के आलाधिकारी भी अस्पताल पहुंचे और घायल जवान के बारे में चिकित्सकों से जानकारी ली। एडिशनल एसपी चंचल मिश्रा ने बताया कि पुलिसकर्मी अभेड़ा फायरिंग रेंज में फायरिंग प्रैक्टिस के लिये पहुंचे थे। तभी पिस्टल साफ करते समय अचानक कॉस्टेबल की पिस्टल से गोली हाथ में लगी, जिन्हें उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

जैसलमेर के जियाई गांव के पास एयरफोर्स की चारदीवारी के नजदीक हो रहा अवैध खनन

पांच दिन में 30 लाख का 3 हजार टन यलो मार्बल निकाला, दो साल से चल रहा है खनन

जैसलमेर, (निसं)। जैसलमेर में खनिज संपदा के अवैध दोहन का एक गंभीर मामला सामने आया है। शहर से सम की ओर जाने वाले सड़क मार्ग से करीब पांच किलोमीटर दूर जियाई गांव के आसपास, एयरफोर्स की चारदीवारी से सटे क्षेत्र में कथित तौर पर बड़े पैमाने पर यलो मार्बल का अवैध खनन किया जा रहा है। क्षेत्र में खनन विभाग की कोई स्वीकृत लीज नहीं होने के बावजूद पत्थर निकालने का काम धड़ल्ले से जारी होने की बात सामने आई है।

- क्षेत्र में खनन विभाग की कोई स्वीकृत लीज नहीं होने के बावजूद पत्थर निकालने का काम धड़ल्ले से जारी होने की बात सामने आई है

जानकारी के अनुसार जियाई गांव के आसपास का क्षेत्र मगरा पहाड़ियों से घिरा हुआ है और जमीन में यलो मार्बल का प्रचुर भंडार बताया जाता है। एयरफोर्स के प्रतिबंधित क्षेत्र के नजदीक होने के कारण यहां खनन की अनुमति नहीं होने के बावजूद बड़े-बड़े पत्थर के ब्लॉक निकालकर बाहर रखे जा रहे हैं। एक ब्लॉक का वजन करीब 15 से 20 टन तक बताया जा रहा है। क्षेत्र में हाइड्रा मशीनें, बड़े ट्रेलर और पत्थर उठाने वाले उपकरण मौजूद दिखाई दिए। दिन के समय खनन क्षेत्र में पत्थरों के बड़े ब्लॉक रखे हुए नजर आए, लेकिन रात होते ही यहां गतिविधियां तेज हो जाती हैं। रात में मौके पर पहुंचने पर दो मशीनों से पत्थर के ब्लॉक ट्रेलरों में भरकर रवाना करते हुए देखा गया। एक ही रात में करीब 12 वाहन, लगभग 600 टन पत्थर लेकर निकलते दिखाई दिए। इसकी अनुमानित कीमत करीब 6 लाख रुपए बताई गई।

इस मामले को लेकर लगातार पांच दिनों तक क्षेत्र का दौरा किया और गतिविधियों पर नजर रखी। स्थानीय लोगों से बातचीत में भी सामने आया कि रात के समय यहां से कई वाहन नियमित रूप से पत्थर लेकर निकलते हैं और यह काम लंबे समय से चल रहा है। शुरुआत में यहां कम कीमत का खंडा पत्थर निकाला जाता था, लेकिन बाद में खनन करने वालों ने यलो मार्बल निकालना शुरू कर दिया। यलो मार्बल की बाजार में अच्छी मांग और अधिक कीमत होने के कारण अवैध खनन का कारोबार तेजी से बढ़ने की आशंका है। पांच दिनों में करीब 3 हजार टन यलो मार्बल निकालने का अनुमान है, जिसकी बाजार कीमत लगभग 30 लाख रुपए बताई जा रही है। यदि पांच दिनों में इतनी मात्रा में खनिज बाहर निकाला जा रहा है तो पिछले दो वर्षों से चल रही गतिविधियों के दौरान कितनी बड़ी मात्रा में पत्थर निकाला गया होगा, इसका अंदाजा लगाया जा सकता है। क्षेत्र में जमीन कई जगह बड़े-बड़े गड्ढों में तब्दील हो चुकी है। अवैध खनन के कारण प्राकृतिक भूभाग को नुकसान पहुंच रहा है, वहीं खनिज संपदा का बिना अनुमति दोहन सरकारी राजस्व को भी नुकसान पहुंचाने वाला है।

गौरतलब है कि जैसलमेर के रीको क्षेत्र सहित अन्य स्थानों पर संचालित पत्थर कटिंग इकाइयों में यलो मार्बल की मांग बनी हुई है। बताया जा रहा है कि लीज वाली खदानों में उपलब्ध पत्थर सीमित होने के कारण कुछ कटिंग इकाइयां अवैध रूप से निकाले गए पत्थरों पर निर्भर हैं। हालांकि इस संबंध में जांच कर वास्तविक स्थिति स्पष्ट करना जरूरी है।



प्रतिबंधित क्षेत्र के नजदीक होने के कारण यहां खनन की अनुमति नहीं होने के बावजूद बड़े-बड़े पत्थर के ब्लॉक निकालकर बाहर रखे जा रहे हैं।